दिन हो वो ग्यारस का सांवरे | by Jatin Jindal

जबसे देखा है तेरा ये दर
आता ना है मुझे कुछ नज़र
अब ना छोड़ूंगा तेरा ये द्वार
खाटू में काटूंगा सारी उमर
निकले साँसें मेरी जब इतना तो तू करना श्याम
दिन हो वो ग्यारस का सांवरे हूँ मैं खाटू धाम

खाटू की मिटटी की क्या बात है
कण कण में बाबा तेरा वास है
खूशबू तेरे इत्र की श्याम
आ गई अब तो मुझे रास है
स्वर्ग जैसा दर तेरा ये अब तो ना छोड़ूंगा श्याम
दिन हो वो ग्यारस का सांवरे हूँ मैं खाटू धाम

खाटू की बाबा गज़ब शान है
बिगड़ा हुआ बनता हर काम है
घूम ली सारी दुनिया प्रभु
तुझसे ना कोई दयावान है
मुझे जब भी पड़ी ज़रूरत तू आया है मेरे श्याम
दिन हो वो ग्यारस का सांवरे हूँ मैं खाटू धाम

दर का तेरे जो सहारा मिला
कश्ती को मेरी किनारा मिला
हारूंगा ना अब तो मैं मेरे श्याम
हारे का तू जो सहारा मिला
विनती जिंदल की इतनी तुम कर लेना तो स्वीकार
दिन हो वो ग्यारस का सांवरे हूँ मैं खाटू धाम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%a8-%e0%a4%b9%e0%a5%8b-%e0%a4%b5%e0%a5%8b-%e0%a4%97%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%b8-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-by/